दैनिक जागरण कानपुर, 17 अगस्त, 2021

सीएसए के बीज हर तरह की मिट्टी में उग सकेंगे

जागरण संवाददाता, कानपुर : फसलों के उत्पादन के लिए मिट्टी की गुणवत्ता बेहद आवश्यक है। यह पर्यावरण, भौगोलिक स्थिति और जलवायु के मुताबिक अलग अलग होती है। इसी कारण से मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों की फसलें भी भिन्न रहती हैं। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ बीज व पौध में ऐसी गुण विकसित करेंगे, जिससे उन्हें किसी भी तरह के मिट्टी में उगाया जा सकेगा। बीजों की गुणवत्ता बढ़ाई जाएगी। सबसे पहले पुरानी प्रजातियों पर काम होगा।

बीजों से तैयार पौधों को मिट्टी, ऊसर युक्त जमीन की मिट्टी, जैविक खाद युक्त मिट्टी, कम पानी और अधिक पानी में रोपित कर शोध किया जाएगा। उनमें आने वाले बदलाव, पौधों की जीन में परिवर्तन आदि को देखेंगे। शुरुआत अलसी के पौधों से होगी। विश्वविद्यालय के तैयार बीजों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को भेजा जाएगा। वहां से सैंपल देश के अलग अलग कृषि केंद्रों पर ट्रायल के लिए भेजे जाएंगे। केंद्रों से स्वीकृति मिलने पर उनका मानकीकरण हो सकेगा।

7:36 AM

611ab50eb6dd410.pdf

तिरंगे को सलामी देते सीएसए के कुलपति व अन्य।

वीर योद्धाओं को किया गया याद

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

17/08/2021

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 75वां स्वतंत्रता दिवस धूम धाम से मनाया गया। इस दौरान कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने अमर शहीद स्वतंत्रा संग्राम सेनानी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए, जिसके बाद मुख्य भवन में ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन सभी वीर योद्धाओं को नमन करता हूं एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं जिनकी वजह से आज हम इस दिन को मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दौरान हमारे कृषकों का अतुलनीय योगदान रहा है। कुलपति ने कहा कि स्वाधीन होने के बाद से खाद्यान्नों में 5 गुना उद्यानिकी फसलों में 9 गुना, मछली क्षेत्र में 12.5 गुना, दुग्ध क्षेत्र में 9 गुना एवं अंडा उत्पादन के क्षेत्र में 39 गुना वृद्धि हासिल हुई है। इस बृद्धि में हमारे विश्वविद्यालय एवं प्रदेश के किसानों का प्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉक्टर आरपी सिंह, निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश, निदेशक प्रशासन एवं मानिटरिंग डॉक्टर करम हुसैन, डीन गृह विज्ञान डॉक्टर वेदरतन, डीन कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ सर्वेंद्र कुमार, डॉ वीके त्रिपाठी, पूर्व प्राध्यापक डॉ एचएस शुक्ला, डॉक्टर आरपी सिंह, डॉक्टर एनसी पांडे, डॉक्टर जेपी सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान

कानपुर • मंगलवार • 17 अगस्त 2021 08

अरहर के बीजों को बचाएगी हल्दी

कानपुर। अरहर के बीजों को अब कीटों (कीड़ों) से हल्दी सुरक्षित रखेगी। साथ ही, बीजों का भंडारण भी अच्छे ढंग से हो सकेगा। यह नई तकनीक चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. सीएल मौर्या ने विकसित की है। इस तकनीक को आईसीएआर ने भी मान लिया है। जल्द इस तकनीक के पेटेंट कराने को लेकर वैज्ञानिक प्रक्रिया शुरू करेंगे। विवि में खाद्यान्न के अच्छे उत्पादन को लेकर नई-नई प्रजातियां विकसित की जा रही हैं। अब वैज्ञानिकों फसलों के बजाए बीजों को ही कीटमुक्त बनाने पर शोध शुरू किया है। वैज्ञानिक डॉ. सीएल मौर्या ने अरहर के बीजों को खेती के दौरान कीटों से बचाने के लिए कई नेचुरल प्रयोग किए। उन्होंने हल्दी, यूकेलिप्टस, नीम, लेमन ग्रास, तुलसी, लैनटाना कैमारा की पत्तियों और रस पर काम किया। मगर सबसे बेहतर परिणाम हल्दी के साथ मिले हैं। डॉ. मौर्या के मुताबिक एक किलो बीज के पैकेट में पांच ग्राम हल्दी को रखने से बीजों को कीटों से बचाया जा सकता है। हल्दी में कड़वाहट पैदा करने वाला तत्व करक्यूमिन होता है।

Sign in to edit and save changes to this file.

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

RNI-NO-UTTBIL/2007/20700

वर्षः12 | अंकः224 | देहरादून, सोमवार, 16 अगस्त, 2021 | पृष्ठः08 | मूल्यः2/रु. प्रति

3 डोईवाला पुलिस ने वाहन चोर गिरोह के चार सदस्य दबोचे

सीएससी विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह द्वारा 75 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमर शहीद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किए इसके बाद मुख्य भवन पर कुलपति द्वारा ध्वजारोहण किया गया राष्ट्रगान के बाद विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित किया कुलपति ने अपने संबोधन में कृषकों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को 75 वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी कुलपति ने कहा कि मैं उन सभी वीर योद्धाओं को नमन करता हूं एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं जिनकी वजह से आज मैं इस दिन को मना रहा हूं उन्होंने कहा कि कोविड–19 के दौरान हमारे कृषक भाइयों का अतुलनीय योगदान रहा है। कुलपति ने कहा कि स्वाधीन होने के बाद से खाद्यान्नों में 5 गुना, उद्यानिकी फसलों में 9 गुना, मछली क्षेत्र में 12.5 गुना, दुग्ध क्षेत्र में 9 गुना एवं अंडा उत्पादन के क्षेत्र में 39 गुना वृद्धि हासिल हुई है। इस वृद्धि में हमारे विश्वविद्यालय एवं प्रदेश के किसानों का प्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान रहा है कुलपति ने कहा कि हमारा देश आज खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर ही नहीं अपितु हम इसे विभिन्न देशों को निर्यात भी कर रहे है।बासमती चावल निर्यात के क्षेत्र में विश्व में प्रथम स्थान तथा कुल कृषि वस्तुओं के निर्यात में 21: की साझेदारी है उन्होंने कहा कि मसालों के निर्यात में भी हम अग्रणी है कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि खाद्यान्न उत्पादन में 11.8: कृषि अंतर्गत क्षेत्रों के साथ 20: खाद्यान्न उत्पादन कर हमारा प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है तिलहन, दलहन उत्पादन के क्षेत्र में भी सराहनीय कार्य

किए गए हैं विश्वविद्यालय द्वारा 296 अधिक फसल प्रजातियों का विकास किया गया है।साथ ही प्रसार के क्षेत्र में कृषकों के क्षेत्रों तक उन्नत तकनीक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत 64 प्रशिक्षण भी कराए गए हैं इस अवसर पर कुलपति ने घोषणा की कि विश्वविद्यालय जनपद के एक विद्यालय को गोद भी लेगा जिससे छात्रों में कृषि के प्रति जागरूकता बढ़े इस पावन अवसर पर कुलपति द्वारा 32 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए जो अभी तक विश्वविद्यालय में अस्थाई सेवा में कार्यरत थे। कार्यक्रम के उपरांत कुलपति के नेतृत्व में वन वीक फॉर नेशन के अंतर्गत उद्यान विज्ञान विभाग के बगीचे में 75 आम के आम्रपाली प्रजाति के पौधे रोपित किए गए कुलपति ने कहा कि जल संरक्षण तकनीकी के अंतर्गत प्रत्येक गांव की मेड़बंदी, खेतों के आसपास छोटे छोटे तालाब,कुंआ, फसल उत्पाद की आधुनिक तकनीकी एवं सिंचाई तकनीकी को अपनाना होगा आज हमें प्रत्येक गांव में न्यूट्रीफार्मिंग, न्यूट्री गार्डनिंग के साथ ही जलवायु स्मार्ट गांव की दिशा में अपने अनुसंधान एवं प्रसार कार्यों को अपने मुख्य एजेंडा में लेना आवश्यक है विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार व समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि सरसमय सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रशासनिक भवनों पर ध्वजारोहण किया गया तथा प्रत्येक जनपद के तीन नवोन्मेषी कृषकों को प्रमाण पत्र, उद्धरण एवं अंग वस्त्र के साथ मास्क एवं सेनीटाइजर प्रदान कर सम्मानित किया गया डॉ सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा कुल 39 प्रगतिशील कृषकों द्वारा अपनी आय 2017 से अब तक दोगुनी करने के लिए सम्मानित किया गया है जिससे जनपदों के कृषकों एवं कृषि वैज्ञानिकों में उत्साह एवं प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास हुआ है इस कार्य हेतु कृषि विभाग का विशेष सहयोग रहा है इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉक्टर आरपी सिंह, निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश, निदेशक प्रशासन एवं मानिटरिंग डॉक्टर करम हुसैन, डीन गृह विज्ञान डॉक्टर वेदरतन, डीन कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ सर्वेंद्र कुमार, डॉ डीके त्रिपाठी, पूर्व प्राध्यापक डॉ एच एस शुक्ला, डॉक्टर आरपी सिंह, डॉक्टर एनसी पांडे उपस्थित थे।